मनमानी | कानून-व्यवस्था की खुलेआम धज्जियां उड़ाते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर

निजी वाहन पर लिखवा डाला मध्यप्रदेश शासन

नवभारत, मझौली। कानून और नियमों की धज्जियाँ उड़ाने का ताज़ा मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली से सामने आया है, जहाँ पदस्थ एक सरकारी डॉक्टर द्वारा अपनी निजी गाड़ी पर खुलेआम 'मध्य प्रदेश शासन' लिखवाया गया है। यह कृत्य न सिर्फ मोटर व्हीकल एक्ट और प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सरकारी पद के दुरुपयोग का भी गंभीर उदाहरण माना जा रहा है।

स्पष्ट नियमों के अनुसार कोई भी शासकीय कर्मचारी चाहे वह डॉक्टर ही क्यों न हो, अपनी निजी गाड़ी पर शासन का नाम, विभागीय पहचान या आधिकारिक पदनाम अंकित नहीं कर सकता। ऐसी पहचान केवल शासकीय स्वामित्व वाले या अधिकृत ड्यूटी वाहनों के लिए ही मान्य है। इसके बावजूद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली में पदस्थ डॉक्टर द्वारा निजी वाहन पर 'मध्य प्रदेश शासन' लिखवाना प्रशासनिक व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करता है।

नियमों के तहत डॉक्टर केवल लाल '+' चिन्ह या 'डॉक्टर' तक सीमित पहचान वाहन पर दर्शा सकते हैं, लेकिन शासन का नाम जोड़ना कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है। इस तरह का कृत्य आम जनता पर रौब जमाने और विशेषाधिकार जताने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य एवं ट्रैफिक पुलिस की चुप्पी संदेह के घेरे में

अब सवाल यह है कि क्या कानून सिर्फ आम नागरिकों के लिए है? क्या जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग खुद ही नियम तोड़ेंगे तो व्यवस्था कैसे चलेगी? मामले में स्वास्थ्य विभाग और ट्रैफिक पुलिस की चुप्पी भी संदेह के घेरे में है। जनहित में मांग उठ रही है कि दोषी डॉक्टर पर तत्काल चालानी कार्रवाई की जाए और शासन स्पष्ट करे कि कानून सबके लिए एक समान है।

इनका कहना है

मेरे द्वारा किसी प्रकार का डॉक्टरो को कोई आदेश जारी नहीं किया गया है कि अपने वाहन पर मध्य प्रदेश शासन चिकित्सा अधिकारी कर्मचारी लिखा जाए।

डॉ. दीपक गायकवाड
ब्लॉक ऑफिसर

श्रीमद भागवत कथा की शोभायात्रा निकाली

नवभारत, बेलखाडू (जबलपुर)। कटंगी रोड बेलखाडू भगत चिकित्सालय के बाजू से आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह आयोजन के लिए दोपहर में भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा में ग्रामवासी बैंड बाजों के साथ बड़े बड़े ध्वज हाथों में लिए कथा वाचक पं संदीप त्रिपाठी चित्रकूट के सानिध्य में जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखे महिलाओं की कलश शोभायात्रा ग्राम खैरी मॉल बाबा मंदिर स्थल पहुंची जहां पूजन अर्चन कर वापिस बेलखाडू में भ्रमण करते हुए खेरमाई मंदिर, दादा आश्रम, हरदुआ काली माता मंदिर आदि स्थानों पर पूजन कर वापिस कथा पहुंची। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से संदीप त्रिपाठी, आचार्य पं कुंज बिहारी दुबे शास्त्री, पं शिव कुमार तिवारी शास्त्री, प्रभात सिंह ठाकुर, प्रशांत ठाकुर, राजेश ठाकुर, रामकुमार नगाइच, आशु ठाकुर, रवि पटेल, गजराज सिंह, रमेश चौकसे, राजू नगाइच, आकाश राजपूत, अनूप, अमित ठाकुर, शरद शर्मा, गुड्डू यादव, आयुष ध्रुव ठाकुर, विवेक प्रजापति सहित अनेकों महिलाएं उपस्थित रहीं। कथा स्थल पर भगवान श्री कृष्ण व स्थान, भागवत, व्यास इत्यादि पूजन पश्चात कथा आरंभ हुई।

भक्ति धाम आश्रम में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- स्वामी अशोकनंद के सान्निध्य में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण और दवा वितरण

नवभारत, सुकरी। भक्ति धाम आश्रम, गौरी घाट में सिंधी जागृति महिला सेवा समिति एवं महिला एवं मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन आश्रम संस्थापक स्वामी अशोकनंद महाराज के पवन सान्निध्य में हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में शिविर का लाभ उठाने लोग उपस्थित रहे।

ये रहे उपस्थित

शिविर में उपस्थित डॉक्टरों में डॉ. एसके साहू, डॉ. आशीष, डॉ. सौरभ, डॉ. श्रीकांत साहू और डॉ. अजय शामिल थे। कुशल नेतृत्व में शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ नि:शुल्क दवा वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर बजरंग दरवार सुकरी के प्रमुख रामाधार डेहरिया, गेंदलाल डेहरिया, महेन्द्र रजक, फूल सिह, बाबा जी, राजेश पटेल सहित अनेक नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया।

कृष्ण कुमार ठाकुर का निधन

जबलपुर। गंगा नगर चन्दन कॉलोनी गढ़ा निवासी श्री कृष्ण कुमार ठाकुर (गददू भैया) बीते 6 फरवरी को स्वर्गवास हो गया, जिनका अंतिम संस्कार शनिवार को सुबह 11 बजे, चोहानी मुक्तिधाम में किया गया। इस मौके पर परिजनों सहित उपस्थितजनों ने उन्हें श्रद्धांजजि अर्पित की।

आपत्तिजनक पोस्ट पर 2 के खिलाफ मामला दर्ज

भिंड. भिंड जिले में इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक और अमर्यादित वीडियो पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने दो युवतियों के खिलाफ अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं. एक मामले में धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है।

मझौली में किसान आंदोलन ने पकड़ा उग्र रूप

- 9 फरवरी को ट्रैक्टर रैली का ऐलान

नवभारत, मझौली। भारतीय किसान संघ के बैनर तले मझौली तहसील में जारी अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन को लेकर किसानों का आक्रोश अब चरम पर पहुंच गया है। संघ द्वारा तहसीलदार मझौली को सौंपे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि 31 जनवरी 2026 से चल रहे धरने के बावजूद अब तक किसी भी समस्या का निराकरण नहीं किया गया, जिससे किसान बुरी तरह आक्रोशित हैं।

भारतीय किसान संघ मझौली इकाई ने चेतावनी देते हुए ऐलान किया है कि 9 फरवरी 2026, सोमवार को दोपहर 12 बजे से ट्रैक्टर रैली एवं उग्र आंदोलन किया जाएगा। यह रैली निर्धारित स्थान से

होते हुए मझौली के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। संघ ने साफ कहा है कि यदि आंदोलन के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है, तो इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि किसानों की समस्याओं को जानबूझकर नजर अंदाज किया जा रहा है। धरना केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, जबकि किसान आर्थिक और मानसिक संकट से जूझ रहे हैं। भारतीय किसान संघ ने प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि अब आर-पार की लड़ाई तय है। यदि समय रहते ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन और भी व्यापक रूप ले सकता है।

गेहूं उपार्जन बोनस में कटौती पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

भोपाल,07 फरवरी. मध्यप्रदेश में आज से गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन प्रारंभ होने के साथ ही कांग्रेस ने किसानों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए घोषित बोनस राशि में कटौती का आरोप लगाया है.

शनिवार को जारी एक बयान में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राहुल राज ने कहा कि उपार्जन प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी

है, लेकिन किसानों को अब तक प्रति क्विंटल 2,700 का आश्वस्त मूल्य नहीं मिल रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पहले प्रति क्विंटल 175 बोनस देने का वादा किया था, जिसे बिना किसी स्पष्ट कारण के घटाकर मात्र 25 कर दिया गया है.

प्रदेश के 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

भोपाल,07 फरवरी. मध्य प्रदेश में फरवरी माह की शुरुआत में एक बार फिर ठंड ने जोर पकड़ लिया है. बारिश और ओलावृष्टि का दौर थमने के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में सर्द हवाओं के प्रभाव से तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है.

ग्वालियर-चंबल अंचल में ठिठुरन सबसे अधिक महसूस की जा रही है, जबकि भोपाल, उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में भी रात

के तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है. प्रदेश के 11 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है. कटनी, शहडोल और छतरपुर जिले सबसे ठंडे रहे. दिन के समय धूप निकलने के बावजूद सर्द हवाओं के चलते लोगों को ठंड से राहत नहीं मिल सकी. मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को भी मौसम की स्थिति लगभग ऐसी ही बनी रहने की संभावना है.

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा. शहडोल जिले के कल्याणपुर और कटनी जिले के कारौंदी क्षेत्र में शीत लहर का प्रभाव दर्ज किया गया. इस दौरान अधिकतम तापमान में सभी संभागों में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ और तापमान सामान्य के आसपास बना रहा.

वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो पिछले 24 घंटों में इसमें भी कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया, हालांकि रीवा और शहडोल संभागों के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.0 से 2.2 डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज किया गया, जबकि शेष संभागों में तापमान सामान्य रहा. वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे क्षेत्रों में माध्य समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में सक्रिय है. इसके साथ ही मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ पवनों में एक ट्रफ 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है.

पशु तस्करी के खिलाफ अभियान तेज

विशेष संवाददाता

भोपाल,07 फरवरी. मध्य प्रदेश पुलिस ने अवैध गौवंश एवं अन्य पशुओं की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है.

बीते सात दिनों में पुलिस ने समन्वित, खुफिया सूचना आधारित और तकनीक-सहायित कार्रवाइयों के जरिए 141 गौवंश एवं अन्य पशुओं को सुरक्षित मुक्त कराया है. इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त कई वाहनों को भी जब्त किया गया है. छतरपुर जिले में नौगांव पुलिस ने सूचना के आधार पर फोरलेन हाईवे पर एक संदिग्ध 16 चक्का ट्रक को रोका. तलाशी के दौरान ट्रक में क्षमता से अधिक 45 मवेशी भरे पाए गए, जिसके बाद तीन आरोपियों

को गिरफ्तार किया गया. अनूपपुर जिले के कोतमा क्षेत्र में पुलिस ने एक ट्रक से 22 भैंस और पाड़ा बरामद किए. इस कार्रवाई में तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए. बरामद सामग्री की कुल कीमत लगभग 26 लाख रुपये आंकी गई है. सिवनी में रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने एक कंटेनर वाहन को जब्त कर उसमें अवैध रूप से ले जाए जा रहे 27 गौवंश को मुक्त कराया. एक अन्य कार्रवाई में 39 और गौवंश को भी तस्करों से छुड़ाया गया.

होली पर रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

भोपाल, 07 फरवरी. होली के त्योहार के अवसर पर रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के बीच 02-02 ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. इस ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कोच होंगे.

ट्रेन दोनों दिशाओं में नर्मदापुरम और इटारसी स्टेशन पर रुककर यात्रा करेगी. यात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र या आईआरसीटीसी की वेबसाइट से आरक्षण कर सकते हैं. गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से 27 फरवरी और 02 मार्च 2026 को दोपहर 2:25 बजे रवाना होकर दानापुर 28 फरवरी और 03 मार्च को सुबह 8:45 बजे पहुंचेगी. यह मार्ग में नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा सहित कई स्टेशनों पर रुकेगी.

वापसी में गाड़ी संख्या 01668 दानापुर से 28 फरवरी और 03 मार्च 2026 को 11:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 8:55 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी.

जन-केंद्रित न्यायपालिका पर राष्ट्रीय मंथन

भोपाल, 7 फरवरी. नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी, भोपाल में शनिवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हो गई. इस सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत सहित देशभर से 25 से अधिक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और वरिष्ठ न्यायाधीश भाग ले रहे हैं.

सीजेआई बनने के बाद जस्टिस सूर्यकांत का यह मध्यप्रदेश का पहला दौरा है. लंबे अंतराल के बाद इतनी बड़ी संख्या में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एक साथ भोपाल में जुट रहे हैं, जिससे यह सम्मेलन न्यायिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है. सम्मेलन की थीम

- सीजेआई और 25 हाईकोर्ट चीफ जस्टिस हुए शामिल
- सुलभ और समयबद्ध न्याय पर भी होगी चर्चा

'एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका' रखी गई है. इसी विषय पर मुख्य रूप से विमर्श होगा. चर्चा का केंद्र न्याय व्यवस्था को आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ, प्रभावी और समयबद्ध बनाने के उपाय रहेंगे. सम्मेलन के दौरान न्यायिक प्रशासन, तकनीकी नवाचार, न्याय तक पहुंच और संस्थागत समन्वय जैसे विषयों पर भी मंथन किया जाएगा.

सीजेआई के भोपाल प्रवास के दौरान उनकी अगवानी से लेकर नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी पहुंचने तक की संपूर्ण व्यवस्था प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के जिम्मे है. प्रवास के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं की भी सीजेआई से शिष्टाचार भेंट हुई.

कार्रवाई | बेटे को भुगतान कर सरपंच ने लूटी सरकारी राशि, धारा 40 में कुर्सी गई

पंचायत को बना दिया पारिवारिक दुकान!

नवभारत, मझौली। पंचायत राज व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला मझौली जनपद की ग्राम पंचायत टिकुरी से सामने आया है, जहाँ सरपंच सीता देवी चौकसे ने सत्ता की कुर्सी को पारिवारिक फायदे का औजार बना डाला। विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन सीधे अपने ही बेटे की जेब में डालने के आरोप सिद्ध होने पर जिला पंचायत सीईओ ने धारा 40/92 के तहत सरपंच को पद से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

जांच में खुलासा हुआ कि सामुदायिक भवन, चबूतरा और पंचायत भवन निर्माण के लिए खरीदी गई सामग्री की राशि ?1

लाख 11 हजार 50 रुपए का भुगतान नियमों को रौंदते हुए सरपंच के पुत्र सिद्धांत चौकसे को कर दिया गया। भ्रष्टाचार और सत्ता का दुरुपयोग है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सुनवाई के दौरान सरपंच ने खुद स्वीकार किया कि भुगतान बेटे को ही किया गया। पंचायत दर्पण पोर्टल के दस्तावेजों ने भी भ्रष्टाचार पर अंतिम मुहर लगा दी। इसके बाद प्रशासन को मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी और सरपंच की कुर्सी छीन ली गई।

फैसले ने खोली पूरे मामले की पोल

इस फैसले ने पंचायतों में पल रहे भ्रष्ट तंत्र की पोल खोल दी है। सवाल यह है कि क्या अब तक पंचायत को निजी जागीर समझकर चलाने वालों पर भी गाज गिरेगी, या यह कार्रवाई सिर्फ एक उदाहरण बनकर रह जाएगी? फिलहाल टिकुरी पंचायत में यह साफ हो गया है कि सरकारी पैसा परिवार की विरासत नहीं है।

कोटवारों की भूमि को नजूल में जोड़ने पर भड़का आक्रोश

- बैठक में उठे तीखे सवाल

नवभारत, मझौली/जबलपुर। मझौली तहसील अंतर्गत कोटवारों की वर्षों पुरानी भूमि को नजूल शासकीय भूमि में शामिल किए जाने के फैसले को लेकर तहसील स्तर पर कोटवारों की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोटवारों ने शासन-प्रशासन पर बिना सूचना, सहमति और वैधानिक प्रक्रिया के भूमि को नजूल घोषित करने का आरोप लगाया। कोटवारों का कहना था कि यह कार्रवाई भूमि अधिग्रहण की आड़ में उनके परंपरागत और सेवा अधिकारों पर सीधा हमला है।

बैठक में यह मुद्दा भी उठा कि क्षेत्र में किसान फार्मर आईडी और फसलों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है, जिससे किसान सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश आज़ाद कोटवार संघ के संभागीय अध्यक्ष रमेश दाहिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शासन ने जल्द निर्णय वापस नहीं लिया तो कोटवार संघ तहसील से लेकर प्रदेश स्तर तक आंदोलन करेगा। बैठक ने प्रशासन के लिए साफ संदेश दे दिया है।